उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में किए गए विभिन्न प्रकार के सीमेंट के उत्पादन तथा निर्यात की कुल मात्रा निम्नुसार है:—

(मिलियन टन में)

वर्ष	सीमेंट उत्पादन	निर्यात किया गया सीमेंट
1995-96	69.55	1.51
1996-97	76.22	1.71
1997-98	83.16	2.68

(ख) से (घ) नौंवी योजना के लिए सीमेंट उद्योग पर कार्य बल (टास्क फोर्स) की रिपोर्ट के अनुसार विशेषकर भारतीय उपमहाद्वीप, मध्यपूर्व तथा दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में निर्यात की अच्छी संभावना है। इसमें नवीं योजना के लिए अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित प्रक्षेपण किये गए थे:—

(मिलियन टन में)

वर्ष	मांग के अनुमान	निर्यात सहित उत्पादन लक्ष्य
1997-98	79	83.50
1998-99	86	90.00
1999-2000	93	97.50
2000-01	101	105.50
20001-02	109	113.00

Industrialisation in North-Eastern Region

1308. SHRI PRAKANTA WARISA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the Government Policy for making investment to set up industries in both private and Government sectors in the North-Eastern Region;

(b) whether Government have identified the places of the region where the aforesaid industries are to be proposed; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) to (c) Planning and development of industries within a state are primarily the responsibility of the concerned state Government. The location of a particular industry depends on the entrepreneur's perception of the comparative advantage in terms of inputs and markets.

The Central Government has been supplementing the efforts of the states in the North Eastern Region through central assistance under special area programmes of the North Eastern Council, funds for Growth Centres, Integrated Infrastructure Development schemes and Transport Subsidy Scheme. The recently announced New Industrial Policy for the North-Eastern Region has made new investments tax free in notified industrial location.

Allocation under PMRY

1309. SHRI D.P. YADAV: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the total amount allocated under the Prime Minister Rozgar Yojana at the end of the year 1998;

(b) to what extent this amount exceeds that of the previous year; and

(c) whether Government have ensured that the allocated amount is utilised under the proper head?

THE MINISTRER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT) (a) and (b) During the financial year 1997-98, the total allocation was Rs. 95.00 crores while the total allocation for the financial year 1996-97 was Rs. 11.00 crores under the Prime Minister's Rozgar Yojana.

(c) The above mentioned allocation of funds is for subsidy, training, contingency, etc. The bulk of assistance, that is, between 80% to 87.5% comes as loans from banks to the individual beneficiaries. The Government ensures allocation of amount under the proper head on the basis of pre-determined norms and the utilisation certificates

submitted by the States/UTs and the Reserve Bank of India, on behalf of the implementing banks. The releases take in to account the respective utilisation certificates received at that particular point when they are being released.

देश में रुग्ण उद्योग

1310. **श्री गया सिंह:** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में कितने बड़े, मझोले और लघु उद्योग रुग्ण स्थिति में हैं; और

(ख) उपरोक्त रुग्ण उद्योगों के पुनरुद्धार के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है, इस संबंध में उद्योग-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) और (ख) देश में बैंकों की सहायता प्राप्त रुग्ण औद्योगिक एककों से संबंधित आंकड़ों का संकलन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किया जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार मार्च, 1998 के अंत तक की स्थितिनुसार रुग्ण लघु औद्योगिक एककों और रुग्ण/कमजोर गैर-लघु औद्योगिक एककों का उद्योग-वार और राज्य-वार ब्यौरा संलग्न विवरण I और विवरण II में दिया गया है। **(नीचे देखिए)**

सरकार ने औद्योगिक रुग्णता की समस्या से निपटने के लिए कई कदम उठाये हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ, निम्न शामिल हैं:— भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंकों को दिए गए दिशानिर्देश रुग्ण एककों का स्वस्थ एककों के समामेलन रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम के अंतर्गत औद्योगिक और वित्तीय पुनर्गठन बोर्ड राष्ट्रीय नवीकरण निधि आदि की स्थापना किया जाना।

विवरण I

मार्च, 1998 के अंत तक की स्थितिनुसार गैर-लघु औद्योगिक रुग्ण/कमजोर और लघु औद्योगिक रुग्ण एककों का उद्योग-वार वर्गीकरण

क्र०सं०	उद्योग	गैर-लघु औद्योगिक, रुग्ण/कमजोर एककों की संख्या।	लघु औद्योगिक रुग्ण एककों की संख्या
1.	इंजीनियरिंग	240	22875
2.	इलैक्ट्रिकल	131	7349
3.	वस्त्र	457	11065
4.	जूट	29	1333
5.	कागज़	119	3479
6.	रबड़	42	2050
7.	सीमेंट	72	998
8.	लौह और इस्पात	175	4595
9.	चीनी	30	311
10.	रसायन	265	7631
11.	धातु और धात्विक उत्पाद	100	4497
12.	वनस्पति तेल और वनस्पति	75	1240
13.	तम्बाकू और तम्बाकू उत्पाद	3	661